गर्भाशय ग्रीवा कैंसर खातिर जागरूकता

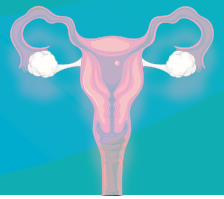

SANDESH INTAS | SANJIVINI

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का होला?

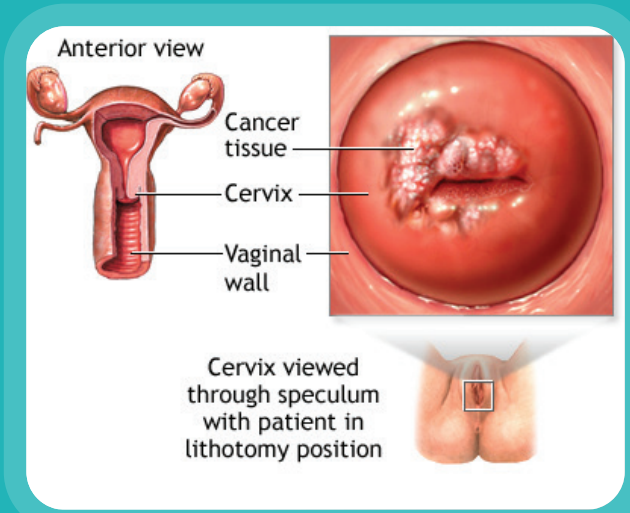

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर गर्भाशय के मुँह चाहे गर्भाशय ग्रीवा पर असर डाले वाला कैंसर बाटे।

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर- भारत पर बोझा

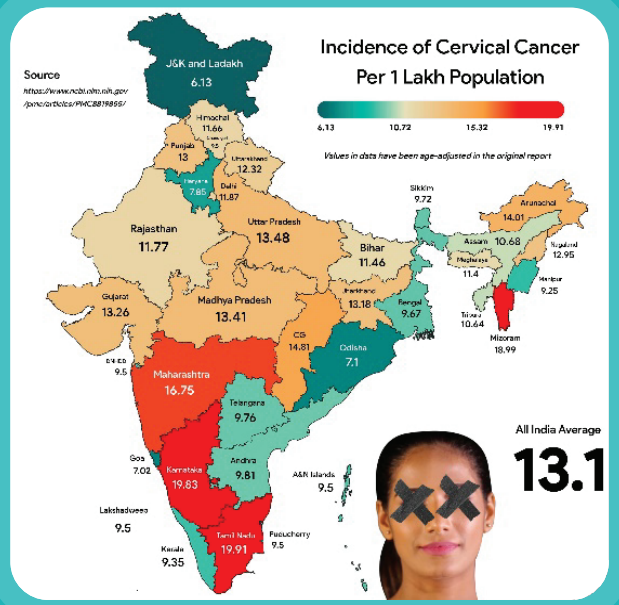

भारत में अउरत कुल्ह में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर दोसरका सबसे आम कैंसर बाटे, जवना से हर साल लगभग 1.25 लाख अउरत लोग प्रभावित होली। भारत में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के करीब 70% ममला के पता काफी बढ़ गेला प लागेला, जे स्क्रीनिंग आउर शुरुआती जांच में अंतर बतावेला। भारत में इ बेमारी से होवेवाला मृत्यु के उच्च दर होवे के एगो प्रमुख कारण देर से जांच बाटे।

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कवना कारण से होला?

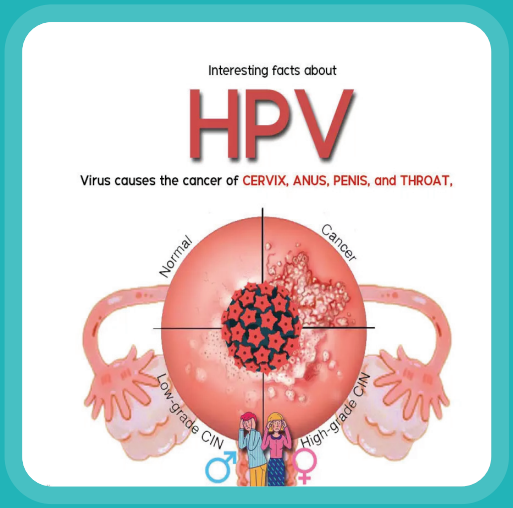

इ एचपीवी या ह्यूमन पेपिलोमा
वायरस नाम के वायरस के चलते होला
(एचपीवी के उच्च जोखिम वाला स्ट्रेन)

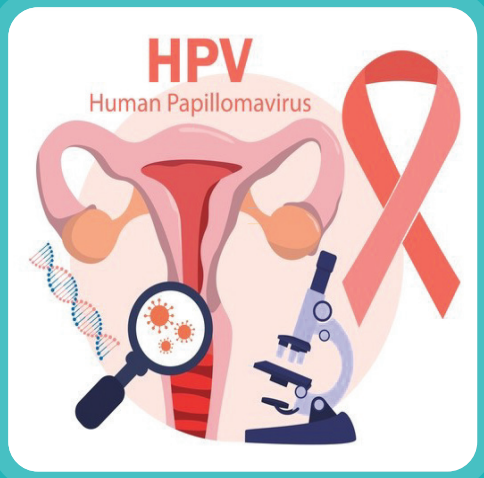

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के जोखिम कारक का हवे?

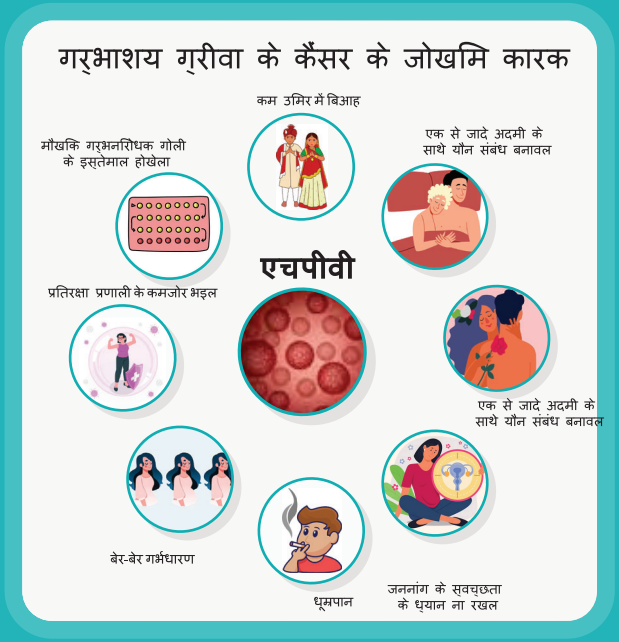

- कम उमिर में बिआह
- कम उमिर में यौन कार्य में लिप्त भइल
- एक से जादे अदमी के साथे यौन संबंध बनावल
- जननांग के स्वच्छता के ध्यान ना रखल
- धूम्रपान
- बेर-बेर गर्भधारण
- प्रतिरक्षा प्रणाली के कमजोर भइल
- कुपोषण
- मुंह से खाएल जाए वाला गर्भनिरोधक गोली कुल (OCPs) के लंबा समय ले उपयोग

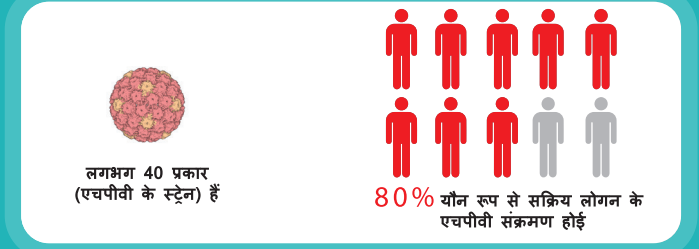

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के का लच्छन होला?

- महिनवारी में, संभोग के बाद चाहे रजोनिवृत्ति के बाद योनि से असामान्य रक्तस्राव।
- असामान्य योनि स्राव
- श्रोणि चाहे पीठ के निचिलका हिस्सा में लगातार चाहे बार-बार होखे वाला दरद
- पेशाब करे घरी दरद
- संभोग करे घरी दरद
- बार-बार पेशाब आवल
- असामान्य वजन घटल

स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल

1. **स्क्रीनिंग शुरू करने के उमिर:**
   - **अच्छे संसाधन सेटिंग खातिर, स्क्रीनिंग 25 बरिस से शुरू होखे के चाहीं।**
   - **कम संसाधन सेटिंग खातिर, 30 बरिस से स्क्रीनिंग शुरू करे के सलाह दिहल जाला।**
2. **स्क्रीनिंग के तरीका:**
   - **एचपीवी परीक्षण:** गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के स्क्रीनिंग खातिर एकरा सबसे बढ़िया विधि मानल जाला। एकर उपयोग अकेले चाहे साइटोलॉजी (पैप स्मीयर) के साथे संयोजन में कइल जा सकेला।
   - **साइटोलॉजी (पैप स्मीयर):** अभियो एगो वैध विकल्प बाटे।.
   - **एसिटिक एसिड (वीआईए) साथे दृश्य निरीक्षण: एगो आउर वैध स्क्रीनिंग**

स्क्रीनिंग के तरीका

फोग्सी मानेलन कि एचपीवी परीक्षण सबसे बढ़िया तरीका बाटे, बाकि सब स्क्रीनिंग परीक्षण, जइसे कि एचपीवी, साइटोलॉजी, एचपीवी आउर साइटोलॉजी दुन्नों के साथे सह-परीक्षण, आउर वीआईए, सभे वैध विकल्प बाटे।

एसिटिक एसिड साथे दृश्य निरीक्षण (वीआईए)

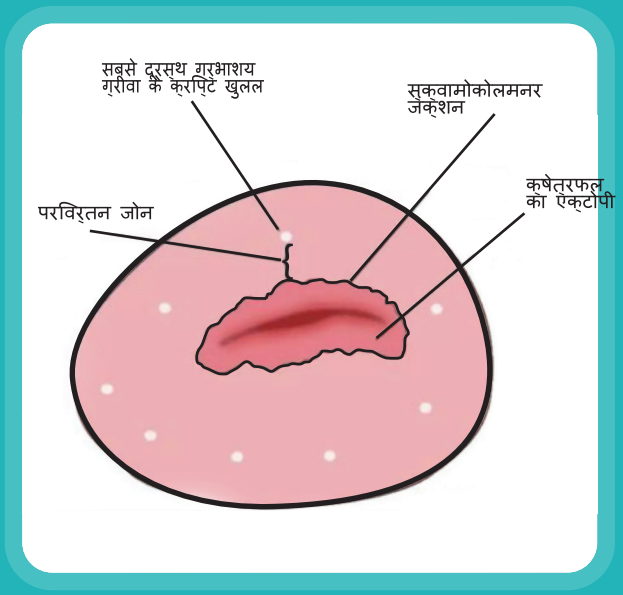

एसिटिक एसिड साथे दृश्य निरीक्षण में 5% एसिटिक एसिड डालला के बाद गर्भाशय ग्रीवा के नग्न आंख से जांच कइल जाला आउर एक मिनट के बाद इ परिणाम बतावेला। इ गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से पहिले के घाव आउर शुरुआती कैंसर के पता लगावे वाला एगो आसान अउरी सस्ता परीक्षण बाटे।

एसिटिक एसिड (वीआईए) से दृश्य निरीक्षण

प्रक्रिया:

एसिटिक एसिड लगावे से पहिले

1. बाहरी जननांग कुल्ह के निरीक्षण करीं: पपल्स, पुटिका, अल्सरेशन, कॉन्डिलोमाटा, डिस्चार्ज, लालिमा, सूजन, एक्सकोरिएशन।
2. गर्भाशय ग्रीवा के निरीक्षण करीं: बिना सहायता के

   सामान्य

   असामान्य:

   संदिग्ध
3. गर्भाशय ग्रीवा के कवनो डिस्चार्ज खून चाहे बलगम पोंछे खातिर सूखल रुई के फाहा के उपयोग करीं।

   प्रक्रिया

   1. गर्भाशय ग्रीवा के 3%-5% एसिटिक एसिड के घोल से धोईं।
   2. गर्भाशय ग्रीवा के विशेष रूप से नंगा आँख से सावधानी से निरीक्षण करीं।

SANDESH SANJIVINI

पैप स्मीयर से जांच

पैप परीक्षण मुख्य रूप से उ सब बदलाव के जांच करेला जे गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में बदल सकेला। गर्भाशय ग्रीवा के मुंह पर से निकालल गईल कोशिका कुल्ह के माइक्रोस्कोप से जांच कइल जाला।

श्रेणी कुल्ह

श्रेणी	जांच के निष्कर्ष
नकारात्मक	एसीटोव्हाइट घाव चाहे हौला एसीटोव्हाइट घाव नइखे; पॉलीप, गर्भाशयग्रीवाशोथ, सूजन, नाबोथियन सिस्ट।
सकारात्मक	तीक्ष्ण, स्पष्ट, अच्छी तरह से परिभाषित, घना (अपारदर्शी/सुस्त चाहे सीप जइसन उज्जर) एसीटोव्हाइट, उभरल किनारा के साथे या ओकरा बगैर, एससीजे के छुवत; ल्यूकोप्लाकिया आउर मस्सा।
कैंसर खातिर संदिग्ध	अल्सरेटिव, फूलगोभी जइसन वृद्धि चाहे अल्सर; छूवला प रिसाव और/या रक्तस्राव।

घाव कुल्ह के रिपोर्ट

1. वीआए नकारात्मक
    - कवनो महत्वपूर्ण एसीटोवाइट घाव नइखे।
    - वीआईए में सब ले चुनौतीपूर्ण श्रेणी।
    - एसीटोवाइट:
2. नाबोथियन सिस्ट आउर पॉलीप्स
    - एससीजे प धुंधला लाइन
    - एससीजे से दूर
    - लकीर जइसन
    - स्तंभ उपकला प बिंदु जइसन क्षेत्र
    - स्तंभ उपकला धुंधलापन साथे छितराएल

एचपीवी वैक्सीन

एचपीवी टीका शॉट कुल्ह के एगो श्रृंखला बाटे जे रउआ के मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) से बचावेला जे आम तउर प यौन संपर्क से फइलेला।

सबसे हाल के एचपीवी टीका एकरा से सुरक्षा देवेला:

90% एचपीवी स्ट्रेन जवना के चलते गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर होला

90% एचपीवी स्ट्रेन जवना के चलते गुदा कैंसर हौला

90% एचपीवी स्ट्रेन जवना के चलते गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर होला

90% अधिकांश स्ट्रेन जवना के चलते मुह आउर गला के कैंसर होला।

एचपीवी टीका कवन लोग के लगावल जाला?

11 & 12 साल के बीच के बच्चा।

26 साल तक के उमिर तक के वयस्क लोग।

कुछ मामिला में 45 साल तक के उमिर तक आ ओकरा समेत वयस्क लोग।

SANDESH INTAS

SANJIVINI

हमनीं के गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खतम क सकिला

"गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर ओह सब कैंसर में से एगो हवे, जवना के टीकाकरण के माध्यम से खतम कइल जा सकेला।"

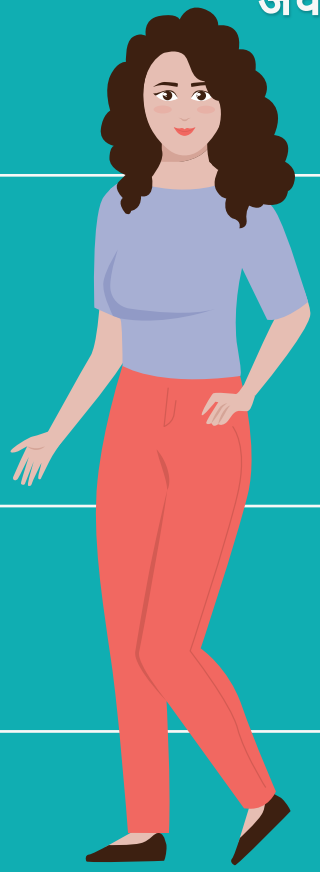

जानकारी लिहीं।

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर आउर एकरा पइदा करे वाला ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के बारे में सही बात जानीं। आपन जीवन में सब अउरत कुल्ह के शिक्षित करे में मदद करीं।.

स्क्रीनिंग कराईं।

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के जांच आम तउर प 30 बरिस के उमिर में शुरू होला आउर बीच-बीच में ओकरा दोहरावल जाला।.

टीका लगवाईं।

एचपीवी टीका 2 खोराक में दिहल जाला, जे तब शुरू होखे के चाहीं जब लइकी 9 से 14 बरिस के बीच के होखे।.

SANDESH | SANJIVINI

धन्यवाद